

[Shri G. C. Bhattacharya]

electorally, if possible, and by a military conflict, if necessary. This is the dimension of the situation. Therefore, I draw the attention of the Government that in this serious situation the Government should take it up with the US Government and tell them clearly, up till now we have tolerated, further arm-twisting would only lead to an unfriendly act, and they have to stop it. Otherwise, Sir, once the US troops come, then there is no way out for us and immediately there will be a confrontation between India and the American imperialists.

REFERENCE TO THE ALLEGED INCIDENTS OF THEFTS IN ORD- NANCE FACTORIES IN KANPUR

श्री नरेन्द्र सिंह (उत्तर प्रदेश) : श्रीमान्, आपकी आज्ञा से मैं कानपुर की स्माल आर्म्स फैक्टरी, आर्डनेंस फैक्टरी और आर्डनेंस इक्विपमेंट फैक्टरी, इन तीनों प्रतिष्ठानों में हाल ही में जो चोरी की घटनाएँ हुई पिछले दो-ढाई महीने के अन्दर उससे कानपुर के लोगों में और पूरे देश के नागरिकों में इस तरह की बात फैल रही है कि हमारे जो सुरक्षा संस्थान हैं उनकी सुरक्षा की पूरी व्यवस्था नहीं है। 22 फरवरी, 1984 को स्माल आर्म्स फैक्टरी में लाखों रुपये की चोरी हुई। कारबाइड टूल्स एंड मशीनरी की चोरी हुई। जहाँ से चोरी हुई वह 50-60 फुट ऊँची इमारत है। चारों तरफ से सेक्योरिटी है। लेकिन वहाँ से भी चोरी हुई। यह पहला मौका नहीं कि स्माल आर्म्स फैक्टरी में चोरी हुई। इसके पहले जनवरी के महीने में वहाँ पर दो बाहर के आदमी पकड़े गये। उसमें से एक भागने में सफल हो गया और दूसरा पकड़ा गया और पुलिस के हवाले किया गया। आर्डनेंस फैक्टरी में दिसंबर, 1983 में लाखों रुपये की चोरी हुई। इस तरह की जो चोरी की घटनाएँ हो रही हैं हमारे सुरक्षा संस्थानों में, इस कारण से यह बड़ा ही

गम्भीर विषय बन गया है। आज जो देश की स्थिति है उससे पता चलता है कि उसके बाहर, बाहरी ताकतें, अन्दरूनी ताकतें तथा एक्सिटीमिस्ट घूम रहे हैं। ये देश की सुरक्षा को खतरा पहुँचाना चाहते हैं। ये जो फैक्टरियों के सुरक्षा अधिकारी और प्रबंधक लोग हैं वे इनके बारे में जागरूक मालूम नहीं होते हैं। ऐसा लगता है कि लापरवाही बरतते हैं। क्योंकि लगातार घटनाएँ हो रही हैं इससे यह लगता है कि स्थानीय पुलिस इसका कुछ पता नहीं लगा पा रही है। जो मैनेजमेंट है वह भी इस बारे में कोई खास ध्यान नहीं रख रही है। इसलिये मेरी मांग है, रक्षा मंत्री जी से निवेदन करूँगा, हमारे पार्लियामेंटरी अफेयर्स के मिनिस्टर श्री बूटा सिंह और कल्पनाथ राय जी यहाँ पर बैठे हुये हैं, उनके जरिये सरकार से मांग करूँगा कि इन तमाम घटनाओं की जांच सी० बी० आई० के द्वारा कराई जाए ताकि इस तरह की घटनाएँ भविष्य में न हों। दूसरे, मेरी मांग इसमें यह है कि जो यहाँ के सुरक्षा अधिकारी हैं वे कई साल से यहाँ पर पोस्टेड हैं, मैनेजमेंट के लोग भी कई-कई साल से यहाँ पर पोस्टेड हैं, इसका कोई वेस्टेड इंटरेस्ट हो सकता है, इसलिये इनका अविलम्ब स्थानांतरण किया जाये और इन प्रतिष्ठानों की सुरक्षा की जाये और लोगों में यह विश्वास पैदा किया जाये कि जो हमारे प्रतिष्ठान हैं वे सुरक्षित हैं। यही मेरी सरकार से मांग है।

REFERENCE TO THE ALLEGED SUPPLY OF POOR QUALITY COTTON SEEDS, PESTICIDES AND FERTILIZERS TO FARMERS IN HARYANA

SHRI SUSHIL CHAND MOHUNTA (Haryana): Sir, I want to mention a fact concerning an area nearer home and it is this that the farmers in Haryana were supplied cotton seeds of absolutely a very poor quality with the result that we have had a very poor cotton crop. On top of it, Sir.